बाल पाल रस

परिवर्तन

कलियुग में मृत्युलोक में बाल पाल रस बच्चों के लिए कामधेनु का साक्षात वरदान है. विश्व में कामधेनु पर निरन्तर अनुसंधान किये गये हैं. अनुसंधानों के कारण ही मानव की सोच में बहुत ही तेजी के साथ में परिवर्तन हुआ है.

तीन अमृत

कामधेनु मानव को तीन अमृत दे रही है. दूध, मूत्र, गोमय. गोदुग्ध, गोमय तथा गोमूत्र पर लगातार अनुसंधान कर विश्व ने यह स्वीकार किया गया है कि सिर्फ गोमूत्र ही पीया जाता है. संसार में किसी भी जीव का मूत्र नहीं पीया जाता है.

गंगाजल के समान पवित्र

कामधेनु का मूत्र गंगाजल के समान ही पवित्र है. कामधेनु यानी मानव की हर मनोकामना की पूर्ति करने वाली धेनु.

गोलोक

कामधेनु मानव का उद्धार करने के लिए गोलोक से मृत्युलोक आयी है. कामधेनु के पेट में सवा मन सोना है.

केरोटिन

मूत्र में सोना आधुनिक विज्ञान के अनुसार कैरोटिन के रुप में मौजूद है. कैरोटिन बच्चों के अंदर विटामिन ए में बदल जाता है. विटामिन ए बच्चों के लिए बहुत ही आवश्यक है.

टानिक

बालपालरस स्वस्थ बच्चा भी टानिक के रुप में पी सकता है. बालपालरस में किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नहीं है. बालपालरस में सूर्य की समस्त शक्तियां मौजूद हैं.

सुपाच्य

बालपालरस पूरी तरह से सात्विक, पौ-िटक, सुपाच्य है. देशी काली बछिया के मूत्र में विशे-ा उर्जा होती है. काली बछिया का मूत्र पीने के बाद में एक मिनट बाद में मीठी लार छूटने लगती है.

गाढ़ा बैंगनी

जंगल में स्वयं चरकर जड़ीबूटियां खाने वाली गायों के मूत्र का रंग गाढ़ा बैगनी होता है.

वैचूर

केरल की मात्र 137 वैचूर गायें विश्व की सबसे छोटे कद की गायें हैं. वैचूर सबसे कम खाकर मात्र 1 किलो 24 धंटे में खाती हैं. 91 सेंटीमीटर उंचाई के कारण भार मात्र 100 किलो होता है. वैचूर की आवश्यकता अन्य गोवंश की तुलना में कम होती है.

विश्व में वैचूर कम खाकर सबसे अधिक दूध देती हैं. फोसफोलीपीड का सीधा संबंध दिमाग के विकास, नरवस टिश्यूस, वसा के सोखने तथा वसा को पचाने के लिये है. वैचूर गायों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत अच्छी है. बालपाल रस वैचूर गायों के मूत्र से तैयार करने पर बच्चों को विशे-ा बल मिलता है.

सक्रिय

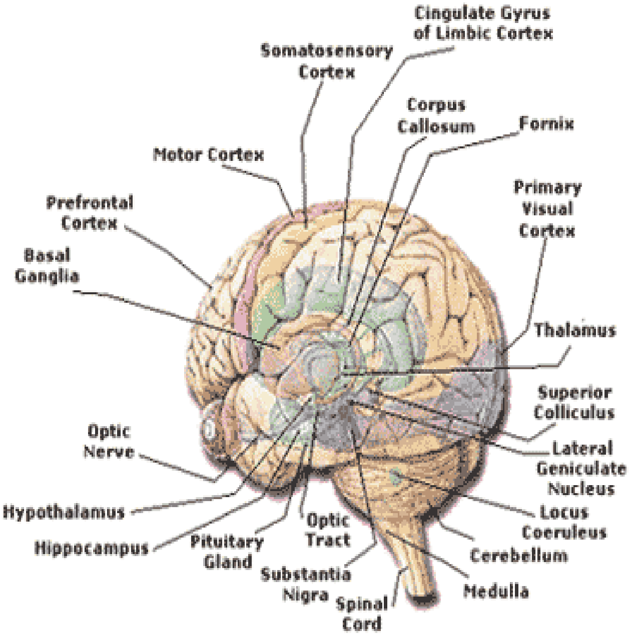

बालपालरस बच्चे को सक्रिय बनाये रखता है. बच्चे की मानसिक क्षमतायें सक्रिय होती हैं. दूध की तुलना में बच्चों को बालपालरस अधिक खनिज देता है.

देवत्व

जन्म से पांच साल तक बालपालरस पीने से बच्चे को सभी आवश्यक रसायन मिल जाते हैं. रोग प्रतिरोधक क्षमता बच्चे के शरीर में विकसित हो जाती है. बच्चे के अंदर देवत्व के गुण विकसित हो जाते हैं.

सोने की चमक

बालपालरस पीने के बाद में बच्चे का शरीर सोने की तरह से चमकने लगता है.

100 साल

आने वाले 100 सालों में बाल पाल रस ही टानिक के रुप में बच्चों के लिए अंतिम उपाय है. दूध की अपेक्षा मूत्र में खनिज ढाई गुना है.

उद्योगपति

बाल पाल रस टानिक के रुप में हर बच्चे को आसानी से मिल सके इसके लिए उद्योगपतियों को अब सामने आने की आवश्यकता है.

स्वरोजगार

गोमूत्र से बाल पाल रस तैयार करना 60 करोड़ युवाओं के लिए स्वरोजगार के लिए सर्वश्रे-ठ समाधान है.

प्रथम स्तर

प्रथम स्तर पर बहुत ही कम मूल्य पर नमूने के रुप में प्रयोग करने के लिए बाल पाल रस को वितरित करने के लिए वर्तमान में भारत में युवा को वितरण व्यवस्था पर ध्यान देने की आवश्यकता है.

श्री निरंजन वर्मा जी ग्राम कटटावाक्ककम, तालुका तिनेरी, जिला कांचीपुरम, तमिलनाडू कार्यालय गव्य नेचर क्योर रिसर्च सेंटर सीयू शाह भवन 78-79 रिचर्डन रोड वेपेरी चेन्नई 600007 के द्वारा 1 साल का डिप्लोमा पंचगव्य महो-ाधियों के निर्माण पर दिया जा रहा है.

युवा को बालपालरस बनाने के लिए कम से कम 1 साल का संपूर्ण प्रशिक्षण डिप्लोमा के रुप में प्राप्त करना चाहिए. युवा को डिप्लोमा लेने के बाद में 30,000 रु. प्रतिमाह की आय निश्चित है.

कम लागत

कामधेनु अपने पूरे जीवन में मानव को गोमूत्र बहुत ही अधिक मात्रा में देती है.

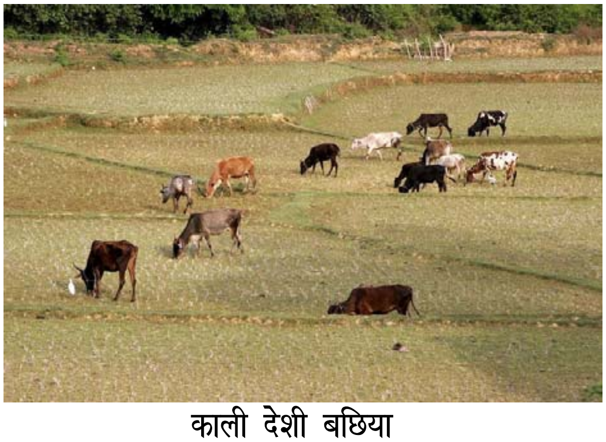

काली देशी बछिया

गोमूत्र काली देशी बछिया का विशे-ा उर्जा के कारण ही सर्वश्रे-ठ है. देशी काली बछिया सूर्य की सात तरंगों को पूरी तरह से अवशोा-ित कर लेती है. जैविक आहार एवं साफ जल ही प्रतिदिन खिलाना पिलाना चाहिए.

देशी काली बछिया गिनी चुनी मिल रही है. बहुत कम मात्रा में गोमूत्र एकत्र करना संभव है. काली बछिया का मूत्र काफी मंहगा है.

मीठी लार

एक मिनट में मीठी लार गोमूत्र पीने के बाद में छूटती है यह पहचान पूरी तरह से मौलिक है.

जड़ीबूटी खाने वाली कामधेनु का मूत्र गाढ़ा बैंगनी रंग का होता है जो दिखने में काला दिखता है.

सावधानी

जैविक चारा खाने वाली तथा पवित्र पानी पीने वाली स्वस्थ देशी बछिया का ही मूत्र बाल पाल रस के लिए उपयोग करना है.

भारत के प्रत्येक गांव में युवा के द्वारा अपनी घरेलू आवश्यकताओं के लिए बहुत ही कम लागत पर बाल पाल रस बनाना बहुत ही सरल है तथा अपने निवास पर ही बहुत ही कम साधनों के साथ में तैयार करना संभव है.

1000 लीटर

गोमूत्र अच्छे मूल्य पर खरीदकर बाल पाल रस सम्मानजनक स्वरोजगार के लिए कम से कम 100 लीटर तथा अधिकतम 1000 लीटर प्रतिमाह तैयार करना चाहिए.

द्वितीय स्तर

10,000 लीटर

विश्व के सबसे अधिक गोवंश भारत में हैं. सबसे अधिक मूत्र बाल पाल रस बनाने के लिए भारत में उपलब्ध है.

गो ब्रांड प्रोडक्ट

द्वितीय स्तर पर डा. प्रवीण तोगड़िया जी के द्वारा 200 गोशालाओं से बाल पाल रस खरीदकर विक्रय करने के लिए गो ब्रांड प्रोडक्ट के रुप में विश्व हिंदू परि-ाद के माध्यम से महानगरों में प्रारम्भ किया जा रहा है.

वितरण

गो ब्रांड प्रोडक्ट के माध्यम से वितरण करने के लिए प्रयत्न करना चाहिए.

अखिल विश्व गायत्री परिवार

बाल पाल रस के नमूने हर बच्चे तक पहुंचाने के लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार के माध्यम से प्रयत्न करना चाहिए.

अखिल विश्व गायत्री परिवार वर्तमान में पूरे विश्व में बाल पाल रस का वितरण करने के लिए सक्रिय है.

पातांजली योग

पातांजली योग शिक्षकों का सहयोग लेकर बाल पाल रस का वितरण करना चाहिए.

पाताजंली योग केंद्र निःशुल्क योग शिक्षकों के माध्यम से वर्तमान में विश्व में स्वदेशी उत्पादों के वितरण के लिए सक्रिय है.

अनुसंधान केंद्र

विश्व में बाल पाल रस की मांग की पूर्ति करने के लिए बहुत ही छोटी गोशालाओं में सभी सुविधाओं के साथ में अनुसंधान केंद्र तैयार कर गोवंश को स्वावलंबी बनाने के लिए बाल पाल रस प्रतिमाह कम से कम 1000 लीटर एवं अधिकतम 10,000 लीटर तैयार करना है.

तृतीय स्तर

विश्व में जनसंख्या विस्फोट के कारण ही करोड़ों बच्चे जन्म से लेकर 5 साल तक वर्तमान में कुपो-ाण के शिकार हैं. कुपो-ाण के शिकार बच्चों का बाल पाल रस टानिक है.

असाध्य रोग

विश्व में हुए अनुसंधानों से यह स्प-ट है कि बाल पाल रस असाध्य रोग में बहुत ही सफल है.

जन्म के समय से ही एडस, मानसिक विकलांगता, खून की कमी, मंदबुद्धि, आंख के कैंसर, ह्रदय में छेद जैसी अनेकों बीमारियों के शिकार बच्चे वर्तमान में विश्व में करोड़ों में हैं.

वितरण

कम दूरी तक वितरण करने के लिए पदयात्रा, कुछ दूरी तक वितरण करने के लिए साइकिल, साइकिल रिक्शा, थोड़ी अधिक दूरी तक वितरण करने के लिए मोपेड, दो पहिया वाहन, ओटो का प्रयोग करना चाहिए.

प्रचार प्रसार

प्रत्येक गांव में प्रारम्भ में प्रचार प्रसार करने के लिए नमूने के रुप में प्रयोग करने के लिए बहुत ही कम मूल्य पर 50 मिलीलीटर की शीशी पत्रक के साथ में वितरित की जाये.

50,000 लीटर

तृतीय स्तर पर बाल पाल रस की मांग की पूर्ति विश्व में करने के लिए मध्यम गोशालाओं में मरीज को भरती कर गहन जांच करने के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ में इंडोर अस्पताल के साथ में कम से कम प्रतिमाह 10,000 लीटर तथा अधिकतम 50,000 लीटर तक तैयार करने पर स्वरोजगार उत्पन्न होगा.

चतुर्थ स्तर

वितरण

बड़ी गोशालाओं में आसपास के क्षेत्रों में साइकिल रिक्शाओं के माध्यम से बहुत ही कम मूल्य पर नमूने के रुप में प्रयोग करने के लिए बाल पाल रस का वितरण हर बच्चे तक करने के लिए प्रयत्न करें.

1 लाख लीटर

बाल रोग विशे-ज्ञों के साथ में सभी सुविधाओं के साथ में मरीज को भरती कर गहन परीक्षण करने के लिए अनुसंधान केंद्रों के साथ में प्रतिमाह कम से कम 50,000 लीटर तथा अधिकतम 1 लाख लीटर तक बाल पाल रस तैयार करने पर सर्वाधिक स्वरोजगार उत्पन्न होगा.

पंचम स्तर

निर्यात

10 लाख लीटर

महानगरों के निर्यातकों के माध्यम से बाल पाल रस का निर्यात विश्व के विकसित देशों में करने के लिए प्रतिमाह कम से कम 1 लाख लीटर तथा अधिकतम 10 लाख लीटर तक तैयार करने पर बड़ी मात्रा में स्वरोजगार उत्पन्न होगा.

वितरण

इंटरनेट पर यू टयूब, वेबसाइट, ब्लोग, फेस बुक के माध्यम से बाल रोग विशे-ज्ञों के माध्यम से बाल पाल रस के बारे में विश्व की सभी भा-ााओं में जानकारी देकर संपर्क किया जा सकता है.

अधिक जानकारी के लिए श्रीमती कमला आशर, अखिल विश्व कामधेनु परिवार, 21 सी, जयराज कोम्प्लेक्स, सोनी नी चाल, ओढव मार्ग, अहमदाबाद 382415 मोबाइल 9662407242 में संपर्क करें.